

श्रीः

श्रीमते निगमान्त महादेशिकाय नमः  
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।  
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

तिरुमङ्गैयाळ्वार् अरुळिच्चैय्द  
॥ शौल्लुवन् ॥

*This document\* has been prepared by*

***Sunder Kidambi***

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

---

\*This was typeset using skt, L<sup>A</sup>T<sub>E</sub>X, Itrans, skt and the xdvng font.

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ शौल्लुवन् ॥

परमेच्चुर विण्णगरम्

‡शौल्लु वन् शौर् पौरुळ् तान् अवैयाय्\* च्चुवै ऊरौलि नाट्टमुम् तोट्टमुमाय्\*  
नल्लरन् नान्मुगन् नारणनुक्-किडन्दान्\* तडम् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
पल्लवन् विल्लवन् एन्ऱुलगिल्\* पलराय् प्पल वेन्दर् वणङ्गु कळल्  
पल्लवन्\* मल्लैयर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ १ ॥

कार्मन्नु नीळ् विशुम्बुम्\* कडलुम् शुडरुम् निलनुम् मलैयुम्\* तन् उन्दि  
त्तार्मन्नु तामरै क्कण्णन् इडम्\* तड मा मदिल् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
तेर् मन्नु तैन्नवनै मुनैयिल् शैरुविल्\* तिरल् वाट्टिय तिण् शिलैयोन्\*  
पार्मन्नु पल्लवर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ २ ॥

उरन् तरु मैल्लणैप्पळ्ळिळ् कौण्डान्\* औरुगाल् मुन्नम् मा उरुवाय् क्कडलुळ्\*  
वरन् तरु मा मणिवण्णन् इडम्\* मणि माडङ्गळ् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
निरन्दवर् मण्णैयिल् पुण् नुगर्वेल्\* नैडु वायिल् उग च्चैरुविल् मुन नाळ्\*  
परन्दवन् पल्लवर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ ३ ॥

अण्डमुम् एण् तिशैयुम् निलनुम्\* अलै नीरौडु वान् एरिगाल् मुदला  
उण्डवन्\* एन्दै पिरानदिडम्\* औळि माडङ्गळ् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
विण्डवर् इण्डै क्कुळामुडने\* विरैन्दार् इरिय च्चैरुविल् मुनिन्दु\*  
पण्डौरुगाल् वळैत्तान् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ ४ ॥

**Attention:** New letters have been introduced to facilitate reading Tamil texts in devanaagarii. Distinction has been made between certain short and long consonants that do not exist in devanaagarii. For e.g., नै and नै should be treated with the same distinction as that exists between नि and नी. The letters ए and ए, and औ and ओ, should be treated with the same distinction. The letter ळ denotes the za in Tamil. For e.g., aazvaar would be written as आळ्वार् in devanaagarii.

तूम्बुडै त्तिण्णै वन् ताळ् कळिदिन्\* तुयर् तीर्त्तरवम् वैरुव\* मुन नाळ्  
 पूम् पुनल् पौय्यौ पुक्कानवनुक्किडन्दान्\* तडम् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
 तेम् पौळिल् कुन्ऱैयिल् तैन्नवनै\* त्तिशैप्प च्चैरुमेल् वियन्दन्ऱु शैन्ऱु\*  
 पाम्बुडै प्पल्लवर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ ५ ॥

तिण् पडै क्कोळरियिन् उरुवाय्\* तिरलोन् अगलम् शैरुविल् मुन नाळ्\*  
 पुण् पड प्पोळ्न्द पिरानदिडम्\* पौरु माडङ्गळ् शूळ्न्द अळ्गाय कच्चि\*  
 वैण् कुडै नीळल् शैङ्गोल् नडप्प\* विडै वैल् कौडि वेल् पडै मुन् उयर्त्त\*  
 पण्बुडै प्पल्लवर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ ६ ॥

इलगिय नीळ् मुडि मावलि तन् पैरु वेळ्ळियिल्\* माण् उरुवाय् मुन नाळ्\*  
 शलमौडु मा निलम् कौण्डवनुक्किडन्दान्\* तडम् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
 उलगुडै मन्नवन् तैन्नवनै\* कन्नि मा मदिल् शूळ् करुवूर् वैरुव  
 पल पडै शाय वैन्ऱान् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ ७ ॥

कुडै त्तिरल् मन्नवनाय्\* औरुगाल् कुरङ्गै प्पडैया\* मलैयाल् कडलै  
 अडैत्तवन् एन्दै पिरानदिडम्\* मणि माडङ्गळ् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
 विडै त्तिरल् विल्लवन् नैन्मैलियिल्\* वैरुव च्चैरु वेल् वलङ्गै प्पिडित्त  
 पडै त्तिरल् पल्लवर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ ८ ॥

पिरैयुडै वाणुदल् पिन्नै तिरत्तु\* मुन्ने औरुगाल् शैरुविल् उरुमिन्\*  
 मरैयुडै माल्विडै एळ्डर्त्तार्किडन्दान्\* तडम् शूळ्न्दळ्गाय कच्चि\*  
 करै उडै वाळ् मर मन्नर् कैड\* कडल् पोल् मुळ्ङ्गुम् कुरल् कडुवाय्\*  
 परै उडै प्पल्लवर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् अदुवे ॥ ९ ॥

‡पार् मन्नु तौल् पुगळ् प्पल्लवर् कोन् पणिन्द\* परमेच्चुर विण्णगरम् मेल्\*  
 कार् मन्नु नीळ् वयल् मङ्गैयर् तम् तलैवन्\* कलिगन्ऱि कुन्ऱादुरैत्त\*  
 शीर् मन्नु शैन्दमिळ् मालै वल्लार्\* तिरुमामगळ् तन् अरुळाल्\* उलगिल्  
 तैर् मन्नराय् औलि मा कडल् शूळ्\* शैळु नीर् उलगाण्डु तिगळ्वर्गळे ॥ १० ॥

॥ तिरुमङ्गैयाळ्वार् तिरुवडिगळे शरणं ॥